वर्ग - नवम
साप्ताहिक-गृह-कार्य

Date 24/04/2020

पाठ - 2
कबीर

पद प्रश्न | उत्तर

क) मनुष्य ईश्वर को कहाँ - कहाँ ढूँढता फिरता है।

⇒ मनुष्य ईश्वर की तलाश में मसजिद, कैलाश में मंदिर में ढूँढ़ता फिरता है।

ख) कबीर ने ईश्वर - प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?

⇒ कबीर ने ईश्वर - प्राप्ति के लिए प्रचलित विश्वास जैसे मंदिर, मसजिद में जाकर पूजा अर्चना करना या नमाज पढ़ना अथवा योग वैराग जैसी क्रियाँए करना, पवित्र तीर्थ स्थलो की यात्रा करना, आडम्बर युक्त भक्ति करके ईश्वर प्राप्ति की इच्छा करना इन सभी प्रचलित मान्यताओं का खंडन किया है।

ग) कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की?

उत्तर) सामान्य हवा में वातावरण को ~~प्राप्ति~~ प्रभावित करने की क्षमता होती है। इसी प्रकार ज्ञान रूपी

CS Scanned with CamScanner

आँधी की आने से मनुष्य के मन पर पड़ा हुआ अज्ञान माया मोह रूपी परदा हट जाता है छल कपट रूपी कूड़ा नष्ट हो जाता है तत्पश्चात मनुष्य का मन निर्मल होकर प्रभु भक्ति रूपी वर्षा में भीग जाता है।

घ) ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

उत्तर) ज्ञान की आँधी का मनुष्य के जीवन पर यह प्रभाव पड़ता है कि उसकी सारी शंकाओं और अज्ञानता का नाश हो जाता है। वह माया मोह के सांसरिक बंधनो से मुक्त हो जाता है। मन पवित्र तथा निश्छल होकर प्रभु भक्ति में तल्लिन हो जाता है।

2.) भाव स्पष्ट कीजिए

1.) हिति चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

उत्तर) यहाँ ज्ञान रूपी आँधी के कारण मनुष्य के मन में स्थित स्वार्थ रूपी छप्पर नीचे गिर गया। उसके मन की सारी बुराइयों और

CS Scanned with CamScanner

अज्ञान नष्ट हो गया और उसका मन साफ हो गया।

2) आँधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भीनाँ।

उत्तर) सामान्य रूप से आँधी आने के बाद जब बारिश हो जाती है तो धूल आदि विकार शान्त हो जाते है और मन प्रसन्न हो जाता है उसी प्रकार ज्ञान रूपी आँधी आने के बाद जो भक्ति रूपी जल बरसात है उस जल से मन भीग उठता है और उसमें संतोष हो जाता है अर्थात ज्ञान कि प्रति के बाद मन शुद्ध हो जाता है।

उमा चौरसिया
24/04/2020